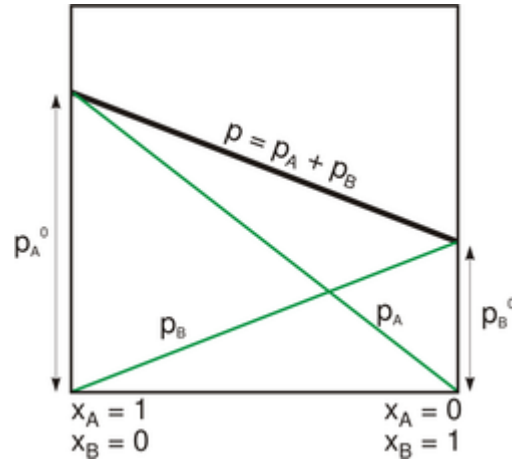


आदर्श विलयन तथा अनादर्श विलयन में अंतर लिखे ideal and non ideal solution in hindi

(difference between ideal and non-ideal solution in hindi) आदर्श विलयन तथा अनादर्श विलयन में अंतर लिखे

आदर्श विलयन (ideal solution)	अनादर्श विलयन (non-ideal solution)
<p>1. वे विलयन जो ताप तथा दाब की समस्त स्थिति पर राउल्ट के नियम की पालन करते हैं उन्हें आदर्श विलयन कहते हैं। अर्थात्</p> <p>$P_1 = P_1^0 X_1$</p> <p>$P_2 = P_2^0 X_2$</p> <p>$P = P_1^0 X_1 + P_2^0 X_2$</p>	<p>वे विलयन जो ताप तथा दाब की समस्त परास पर राउल्ट के नियम की पालन नहीं करते हैं उन्हें अनादर्श विलयन कहते हैं। अर्थात्</p> <p>$P_1 \neq P_1^0 X_1$</p> <p>$P_2 \neq P_2^0 X_2$</p> <p>$P \neq P_1^0 X_1 + P_2^0 X_2$</p>
<p>2. विलयन का कुल आयतन दोनों घटकों के कुल आयतन के योग के बराबर होता है अर्थात्</p> <p>$\Delta V_{\text{मिश्रण}} = 0$</p>	<p>विलयन का कुल आयतन दोनों घटकों के कुल आयतन के बराबर नहीं होता है। अर्थात्</p> <p>$\Delta V_{\text{मिश्रण}} \neq 0$</p>
<p>3. विलेय तथा विलायक को मिलाने पर कोई उष्मीय परिवर्तन नहीं होता है। अर्थात्</p> <p>$\Delta H_{\text{मिश्रण}} = 0$</p>	<p>विलेय तथा विलायक को मिलाने पर कोई उष्मीय परिवर्तन होता है। अर्थात्</p> <p>$\Delta H_{\text{मिश्रण}} \neq 0$</p>
<p>4. शुद्ध घटकों के अणुओं के मध्य उतना ही आकर्षण होता है, जितना की विलयन के घटकों के मध्य।</p>	<p>शुद्ध घटकों के अणुओं के मध्य आकर्षण बल विलयन के अणुओं के मध्य लगने वाले आकर्षण बल से भिन्न होता है।</p>
<p>5. उदाहरण : (1) हेक्सेन व हैटैन (2) मैथिल अल्कोहल व एथिल अल्कोहल (3) क्लोरो बेंजीन व ब्रोमो बेंजीन</p>	<p>उदाहरण : (1) एथिल अल्कोहल व बेंजीन (2) $\text{HNO}_3 + \text{H}_2\text{O}$ (3) $\text{HCl} + \text{H}_2\text{O}$ (4) $\text{CO} + \text{क्लोरोफॉर्म}$</p>

आदर्श विलयन के लिए वाष्पदाब तथा मोल अंश के मध्य ग्राफ



evidyarthi